# सामाजिक बहिष्करण और स्वास्थ्य असमानताएं

प्रेमदास
सी.एच.एस.जे.

# सत्र के उद्दे’’य

- सामाजिक बहिष्करण का अर्थ समझना
- सामाजिक बहिकरण कैसे संचालित अथवा काम करता है?
- सामाजिक बहिष्करण का स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?

# सीख के नतीजे

- प्रतिभागी सामाजिक बहिष्करण के अर्थ को व्यक्त कर पाने में समर्थ होंगे।
- प्रतिभागी अपने काम के संदर्भों को सामाजिक बहिष्करण के उन तरीकों से जोड़कर समझ पाएंगे जिनके माध्यम से वह सामाजिक ढांचों और सामाजिक संबंधों में काम करता है।
- प्रतिभागी कमज़ोर समुदायों और व्यक्तियों पर सामाजिक बहिष्करण की प्रक्रियाओं के प्रभाव का आकलन कर पाएंगे।

# सामाजिक बहिश्करण क्या है?

- सामाजिक बहिष्करण एक प्रक्रिया है–
- जिसके द्वारा वि”ाष्ट समूह व्यवस्थित ढंग से नुकसान भुगतते हैं
- उनके साथ भेदभाव किया जाता है–
- उनकी नस्लता, प्रजाति, धर्म, यौनिक परिचय, जाति, वं”ा, जेंडर, आयु, एच.आई.वी. स्थिति, प्रवास स्थिति अथवा वे कहां रहते हैं, के आधार पर।
- यह भेदभाव सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्थाओं, संबंधों, सार्वजनिक संस्थानों, सार्वजनिक सेवाओं (जैसे कानूनी व्यवस्था, ि”ाक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं आदि) में होता है।

# सामाजिक बहिष्करण का क्या अर्थ है?

- इसके बहुत से अर्थ हैं
- 'सामाजिक बहिष्करण' शब्द आमतौर पर निम्न की व्याख्या करता है:

– निर्णय प्रक्रियाओं, लाभदायक योजनाओं अथवा नीतियों से बहिष्कृत किए जाने का खतरे से घिरे समूह

– किस चीज़ से लोगों को बहिष्कृत किया जा गया है;

– बहिष्करण से कौन सी स्थितियां जुड़ी हुई हैं;

– इसकी प्रक्रियाएं

– जिन स्तरों पर वे काम करते हैं, और

– उसमें सम्मिलित अभिनेता/हितधारक

# सामाजिक बहिष्करण की वि’ौषताएं

- बहुआयामीः सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक आयाम; विभिन्न स्तरों पर काम करता है;
- सक्रियताः यह अलग–अलग तरीकों से कई लोगों के जीवन पर, अलग–अलग समयों पर पीढ़ी–दर–पीढ़ी अलग–अलग स्तर तक, विभिन्न सामाजिक स्तरों पर प्रभाव डालता है;
- संबंधपरकः (अ) सामाजिक संबंधों का टूटना–सामाजिक भागीदारी, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक जुड़ाव और सत्ता की कमी; (ब) बहिष्करण असमान सामाजिक संबंधों–असमान सत्ता का उत्पाद है– अर्थात् वे इस बात का नतीजा होते हैं कि समाजों को किस तरह से संगठित किया गया है।
- अन्तःक्षेत्रीयः सामाजिक बहिष्करण सामाजिक भेदभाव के रूप में देखा जाता है जो कमजोर स्थितियों के विभिन्न पक्षों (जैसे जाति, जेंडर, अक्षमता, लिंग, वर्ग,–गरीब आदि) से जुड़ा होता है।

सामाजिक बहिष्करण–एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें समूह और समुदाय यह महसूस करते हैं कि वे पिछड़ गए हैं, वंचित हैं, उपेक्षित, दमित, दूसरों से कमतर, असमान हैं और वे अपने साथ भेदभाव महसूस करते हैं।

यह भेदभाव न केवल व्यक्तिगत स्तर अथवा निजी अभाव के स्तर पर होता है बल्कि यह सामाजिक संस्थाओं और प्रणालियों का भी हिस्सा बन जाता है। यह गरीबी, खराब सेहत, भेदभाव का कारण बन जाता है।

सामाजिक बहिष्करण → भेदभाव → बहिष्करण → बड़े भेदभाव

**यह हमारे लिए भेदभाव और मानवाधिकार उल्लंघन को समझने का एक दृश्टिकोण और नज़रिया है।**

# हम अपने समाज में सामाजिक बहिष्करण का अनुभव कैसे करते हैं?

- सामूहिक गतिविधि: अपने अनुभव से ऐसे दो उदाहरण लिखें जिनमें लोगों को महसूस हुआ हो कि वे असमान हैं अथवा पिछड़ गए हैं और उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है?
- ये भेदभाव किस स्तर पर होते हैं: व्यक्तिगत, सामुदायिक, सार्वजनिक संस्थाएं अथवा नीति
- आपकी दृष्टि से ऐसे भेदभाव के लिए कौन से कारक अथवा कारण ज़िम्मेदार हैं?

# सामाजिक बहिष्करण स्वास्थ्य पर कैसे असर डालता है?

- गतिविधि–सत्ता चालन, पिंकी की कहानी
- सामाजिक बहिष्करण की जड़ें सामाजिक असमानता–जाति, वर्ग, पितृसत्ता में समाई हैं।
- इसकी जड़ें सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और असमानता की राजनैतिक व्यवस्था में समाई हैं।
- यह भेदभाव, मानवाधिकार उल्लंघन, असमान पहुंच, हिंसा को संस्थागत और विधिक रूप प्रदान करता है।

# स्वास्थ्य स्तर पर प्रभाव

लोगों की निर्णय लेने की शक्ति–चयन, स्वायत्तता, तर्क–वितर्क, मोलभाव

स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकः संसाधनों तक पहुंच–रोजगार, समान ि"ाक्षा, विवाह की सही उम्र, आर्थिक शक्ति/क्षमता, पोषण तक पहुंच।

यह–स्वास्थ्य देखभाल, भोजन, पानी जैसी सार्वजनिक सेवाओं को प्रप्त करने में भेदभाव का कारण बनता है।

इसके परिणामस्वरूप, असमान स्वास्थ्य नतीजे, खराब स्वास्थ्य, मातृत्व मृत्यु दर, रूग्णता और व्यापक स्तर पर गरीबी बढ़ती है।

# हम इससे क्या समझते हैं?

- प्रमाणः वि”ाष्ट समुदाय (दलित, आदिवासी), वि”ाष्ट वर्ग (महिला, असंगठित श्रमिक, ग्रामीण लोग) और वि”ाष्ट क्षेत्रों में लोगों (पहाड़ी क्षेत्रों, सूखा/बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों) में निम्न मानवीय विकास और स्वास्थ्य स्तर संकेतक होते हैं।
- आंकड़े (डाटा)ः आई.एम.आर., एम.एम.आर., जीवन–आ”ाा (लाइफ़ एक्सपेक्टेंसी)

# हम क्या कर सकते हैं?

- प्रतिभागियों के साथ एक सामान्य सामूहिक चर्चाः ऐसे दो तरीके बताएं जो आप सामाजिक बहिष्करण और भेदभाव से लड़ने के लिए सुझाना चाहते हैं।
  – व्यक्तिगत स्तर
  – सामुदायिक (समाज) स्तर
  – स्वास्थ्य आपूर्ति संस्थान स्तर
  – नीति स्तर